सार-समाचार

लखपति दीदी सम्मान समारोह आयोजित

जालोर, (कासं)। ज़िला प्रशासन एवं राजीविका के तत्वावधान में महिलाओं को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने एवं उनकी आजीविका गतिविधियों को तकनीकी रूप से मजबूत करने के उद्देश्य से मंगलवार को जिला परिषद सभागार में लखपति दीदी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जालोर जिले में राजीविका के अंतर्गत ''लखपति दीदी'' योजना से जुड़ी महिलाओं को टैबलेट का वितरण किया गया। सांसद लुम्बाराम चौधरी ने संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार महिला सशक्तीकरण हेतु निरंतर कार्य कर रही हैं, इसी क्रम में केंद्र सरकार बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, राजीविका जैसी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को शैक्षणिक एवं आर्थिक रूप से संबल प्रदान कर रही हैं। उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य हैं कि वे बेटियों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध करवाएं, जिसके फलस्वरुप वे इंजीनियरिंग, मेडिकल, रिसर्च एजुकेशन आदि क्षेत्रों में देश का नाम रोशन कर पाएं। राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने इस अवसर पर कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत एवं विकसित राजस्थान के निर्माण में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण हैं इसलिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री नारी शक्ति ऋण एवं कौशल संवर्धन योजना, लाडो प्रोत्साहन योजना, माँ वाउचर योजना, बैंक सखी, ड्रोन दीदी, सखी वन स्टॉप सेंटर सहित अन्य योजनाओं के माध्यम से महिलाओं के सशक्तीकरण हेतु निरंतर कार्य कर रही हैं। समारोह में राजीविका के जिला परियोजना प्रबंधक अशोक बिश्नोई ने बताया कि समारोह के दौरान उत.ष्ट कार्य करने वाली 82 लखपति दीदी को डिजिटल टैबलेट देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान लाभार्थी दीदियों को टैबलेट के उपयोग, ऑनलाइन कार्यप्रणाली एवं डिजिटल माध्यमों से आय बढ़ाने के बारे में जानकारी दी गई। राज्य सरकार की इस पहल से महिलाओं की कार्यक्षमता में वृद्धि होगी तथा वे अपने व्यवसाय को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित कर सकेंगी। लाभार्थी महिलाओं ने इस पहल के लिए सरकार एवं राजीविका का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि टैबलेट के माध्यम से उन्हें नई तकनीक सीखने और अपनी आय बढ़ाने में सहायता मिलेगी।कलैक्टर डॉ. प्रदीप के गावंडे, जिला परिषद् के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नंदकिशोर राजोरा, राजीविका के राकेश मीना सहित महिलाएं एवं बालिकाएं उपस्थित रही।

आयुक्त ने ली अधिकारियों की बैठक

जोधपुर, (कासं)। नगर निगम मीटिंग हॉल में मंगलवार को निगम आयुक्त राहुल जैन ने कार्यभार संभालने के बाद मंगलवार को स्वच्छता विंग से जुड़े सभी अधिकारियों एवं संवेदकों के साथ मैराथन बैठक की और शहर की सफाई व्यवस्था सुदृढ करने के सख्त निर्देश दिए। आयुक्त ने कहा कि नगर निगम का सबसे प्राथमिक कार्य शहर की सफाई व्यवस्था को बेहतर करना है और आगामी दिनों में शहर की सफाई व्यवस्था में व्यापक सुधार नजर आना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारियों को कहा कि वह सप्ताह में दो दिन वार्ड का निरीक्षण करेंगे और सफाई व्यवस्था की मॉनिटरिंग करेंगे। आयुक्त राहुल जैन ने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण केवल मात्र एक रैंकिंग प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि हमारे शहर की सफाई व्यवस्था को बेहतर करने का अवसर है। आगामी दिनों में स्वच्छता सर्वेक्षण शुरू होने वाला है और इससे पहले ही एक टीम के रूप में युद्ध स्तर पर कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण में अच्छे अंक लाकर रैंक हासिल करना अपना उद्देश्य नहीं होना चाहिए, बल्कि अपना शहर साफ सुथरा नजर आए, लोगों की शिकायतों का त्वरित निस्तारण हो और हमारा शहर हर समय स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए तैयार रहे, इस तरह की कार्य योजना बनाकर काम करने की आवश्यकता है। बैठक में प्रयुक्त स्वरूप सिंह, एसई भरत टेपण, एक्सईएन संजय माथुर, राहुल गुप्ता, एईएन अनिल पुरोहित, स्वास्थ्य अधिकारी सचिन मौर्य, अंकित पुरोहित, परिणीता सामरिया सहित सभी सीएसआई, स्वास्थ्य विंग से जुड़े संवेदक मौजूद रहे।

विद्यार्थियों की द्यी कनूनी जानकारी

पाली, (नि.सं.)। आज राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के बेनर तले श्रीमती चीमा बाई संचेती राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय पैकेज कोलोनी पाली में विशिष्ठ न्यायिक मजिस्ट्रेट सुश्री वीनस चौधरी ने साइबर दुर्व्यवहार के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराया। प्रधानाचार्य राधेश्याम सोनी ने बताया कि इस अवसर पर विद्यार्थियों को स्टॉकिंग, ट्रोलिंग के बारे में विस्तार से समझाते हुवे,इनसे बचाव के उपाय बताए साथ ही साइबर फ्राड के बारे में जानकारी देते हुए,ओन लाइन गेमिंग के जीवन पर पडने वाले दुष्प्रभाव के बारे में समझाया। चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 इमरजेंसी पुलिस हेल्प 112 साइबर फ्राड हेल्पलाइन 1930 नम्बर साझा करते हुवे, आपातकाल में इनका उपयोग करने का आव्हान किया। कार्यक्रम के आरंभ में विशिष्ठ न्यायिक मजिस्ट्रेट सुश्री वीनस चौधरी का विद्यालय की अनुराधा राजपुरोहित,मनीषा बोराणा,शोभा शर्मा ने मारवाड़ की परंपरानुसार साफ़ा,माला,उपरना पहना स्वागत किया। वरिष्ठ अध्यापक पंकज शर्मा ने सोशल मीडिया एकाउंट्स की प्राइवेसी कैसे रखी जाए इस बारे में बात करते,यू ट्यूब एवं सोशल मीडिया के सकारात्मक उपयोग के बारे में विद्यार्थियों को समझाया। अध्यापक महेंद्र शर्मा,यास्मीन ने मंच संचालन किया। इस अवसर पर एन आई कोर्ट दो के रीडर अविनाश शर्मा ने साइबर क्राइम हो जाने की स्थिति में की जाने वाली आवश्यक कानूनी कार्यवाही की जानकारी दी।अंत में ,प्रधानाचार्य राधेश्याम सोनी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए, विद्यार्थियों से सोशल मीडिया पर केवल परिजनों एवं विद्यालय से ही जुड़े रहने का आव्हान करते,किसी टॉपिक, फोटो आदि को पब्लिक शेयर न करने का आव्हान किया।

हरदेव आर्य का जालोरमें स्वागत

जालोर, (कासं)। आर्य वीर दल जालोर के तत्वावधान में मंगलवार को राजस्थान रैकेट बॉल एसोसिएशन के आशीष पूनिया आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के उपमंत्री हरदेव आर्य के जालोर में पहली बार आने पर खेल प्रेमीयो के द्वारा स्वागत किया गया। आर्य वीर दल के अध्यक्ष कृष्ण कुमार ने आर्य वीर दल की वीरम व्यायामशाला में पुनिया का स्वागत करते हुए उनका उपस्थित खेल प्रेमी से परिचय कराया। राजस्थान रैकेट बॉल एसोसिएशन के सचिव पुनिया बताया कि इंटरन रैकेट बॉल फेडरेशन 1979 में गठित हुआ। जिसमें चार महाद्वीपो के 13 राष्ट्र के फेडरेशन शामिल हुए थे। इसे 1985 में इंटर नेशनल ओलिंपिक कमेटी से मान्यता मिली। जो सबसे युवा खेलों में से एक है। रैकेट बॉल एक तेज, हाई, ईंटेंसिटी रैकेट खेल है जो चार दिवारी वाले कोर्ट पर खेल जाता हैं ।यह इनडोर और आउट डोर दो प्रकार के मैदान पर 11प्वाइंटों के लिए खेल जाता है। यह खेल अपनी स्पीड के लिए मशहूर है, जिसे दुनिया की टॉप कॉम्पिटीटर के तौर पर उभरा है। यूएस खेल में सबसे ज्यादा फिजिकल कंडीशनिंग और तेज रिएक्शन वाला खिलाडी ही सफलता प्राप्त करता है। आर्य वीर दल के सरक्षक दलपत सिंह आर्य ने पूनिया को विश्वास दिलाया कि हम जालोर जिले के खेल प्रेमी आपके मार्गदर्शन में इस खेल को लोकप्रिय बनाएंगे।

विद्यार्थियों ने लगाए मिट्टी के घोंसले

फलोदी, (निसं)। निकटवर्ती राउमावि बावडी कलां में पेड पौधों की बहुतायत व अनुकूल वातावरण के कारण पक्षियों की अनेक प्रजातियों के साथ घरेलु चिडयाँ सैकडों की संख्या में आने व रहने लगी है। इस माह में घरेलु चिडयों का प्रजनन काल होने के कारण वे कक्षा कक्ष के रोशनदान व अन्य कोनो में घोसलें बनाती है। इससे अनेक बार तिनके लाती चिडयाँ छत-पंखों से टकराकर चोटिल हो जाती है। चूजों को भी नुकसान पहुंचता है। इन घटनाओं से विद्यार्थियों के बाल-मन को ठेस पहुंचती है और पढाई भी बाधित होती है। विद्यालय के प्रधानाचार्य तेजपुरी गोस्वामी ने बताया कि विद्यालय एफ.आई.आर. रजिस्टर में चिडियों की सुरक्षा हेतु सुझाव प्राप्त हुए। इसलिए बेजुबान चिडयों की सुरक्षा एवं विद्यार्थियों के व्यक्तित्व में जीव-दया के भाव को स्थापित करने के लिए 7 अप्रेल को शिक्षकों व विद्यार्थियों ने मिलकर विद्यालय के बरामदों व टिन- शेड के नीचे मिट्टी के घोसलें लगाये गये। इस सेवा कार्य में शिक्षक किशनसिंह, मोतीलाल, चेनसिंह, दानाराम, रमेशसिंह, बंशीराम, राहुल, मनोज, ज्योति, सपना, शंकरलाल तथा शक्तिसिंह, टीकमसिंह, हिमांशु वैष्णव आदि साथ रहे।।

समस्याओं के निस्तारण की मांग की

फलोदी, (निसं)। रोडवेज प्रबंधन की ओर से किए जा रहे कर्मचारियों का शोषण एवं हठधर्मिता के विरोध में भारतीय मजदूर संघ का निगम प्रबंधन के विरुद्ध संपूर्ण राजस्थान में प्रदर्शन किया गया। भारतीय मजदूर संघ जिला उपाध्यक्ष फलोदी व राजस्थान परिवहन निगम संयुक्त कर्मचारी फेडरेशन फलोदी शाखा अध्यक्ष धर्मवीर गुर्जर शाखा सचिव सहीराम बिश्नोई के नेतृत्व में मुख्य प्रबंधक फलोदी आगार को ज्ञापन दिया गया। परिवहन फेडरेशन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता प्रकाश व्यास, विजय दवे,प्रवीण कुमार व विजय सेन मौजूद रहे।

मथुरादास माथुर अस्पताल की व्यवस्थाओं का निरीक्षण

जोधपुर, (कासं)। जिला कलक्टर आलोक रंजन ने मंगलवार को मथुरादास माथुर अस्पताल (एमडीएम) का निरीक्षण कर अस्पताल प्रशासन एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ विस्तृत बैठक की।

इस दौरान उन्होंने अस्पताल का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा आधारभूत संरचना, चिकित्सा सुविधाओं, वित्तीय प्रबंधन एवं प्रशासनिक कार्यप्रणाली की समठा समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

सिविल एवं विद्युत कार्यों की समीक्षा

जिला कलक्टर रंजन ने राजस्थान राज्य सड़क विकास निगम तथा सार्वजनिक निर्माण विभाग के सिविल एवं विद्युत अधिकारियों के साथ अस्पताल में संचालित कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने ऑपरेशन थियेटर ब्लॉक, कॉटेज वार्ड एवं इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसाइंसेज से संबंधित परियोजनाओं की जानकारी लेते हुए कार्यों की गुणवत्ता एवं डिजाइन के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया, ताकि रोगी एवं पर्यावरण अनुकूल अधोसंरचना सुनिश्चित की जा सके।

चिकित्सा सुविधाओं का अवलोकन

उन्होंने अस्पताल की ओपीडी एवं आईपीडी व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए ट्रॉमा सेंटर एवं ओपीडी ब्लॉक का निरीक्षण किया। साथ ही इंटीठोटेड हॉस्पिटल मैनेजमेंट सिस्टम () के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा कर रोगी सेवाओं में सुधार के लिए सूचना प्रौद्योगिकी के अधिकतम उपयोग के निर्देश दिए।

वित्तीय स्थिति पर चर्चा

बैठक में एमडीएम अस्पताल की मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी की वित्तीय स्थिति की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने आय के स्त्रोतों एवं व्यय की प्रवृत्तियों की जानकारी ली।

उन्होंने अनावश्यक व्यय में कमी लाने पर बल देते हुए मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य () योजना के प्रभावी उपयोग को आय के एक सशक्त माध्यम के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए तथा आय-व्यय प्रबंधन को संतुलित एवं सुदृढ बनाने के लिए सुझाव प्रदान किए।

रोगी सेवाएं एवं विशेष विषयों पर चर्चा

जिला कलक्टर ने राज्य के बाहर से आने वाले मरीजों के उपचार संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

रंजन ने अस्पताल में दैनिक कार्यों में सूचना प्रौद्योगिकी के शत-प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसमें बायोमेट्रिक उपस्थिति एवं राज-काज पोर्टल के प्रभावी उपयोग पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने गैर-आवश्यक दवाओं की खरीद एवं व्यय की समीक्षा करते हुए पारदर्शिता एवं वित्तीय अनुशासन बनाए रखने के निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर ने अस्पताल में भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों से संवाद कर व्यवस्थाओं एवं उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में फीडबैक प्राप्त किया। उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों से भी वार्ता कर निरीक्षण के प्रमुख बिंदुओं की जानकारी साझा की।

निरीक्षण के माध्यम से जिला कलक्टर ने अस्पताल की अधोसंरचना, चिकित्सा सेवाओं, वित्तीय प्रबंधन एवं प्रशासनिक दक्षता के विभिन्न पहलुओं की समठा समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश प्रदान किए। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं, सतत विकास एवं तकनीक के प्रभावी उपयोग के माध्यम से अस्पताल की व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ करने पर बल दिया।

बैठक एवं निरीक्षण के दौरान डॉ. एस.एन. मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. बी.एस. जोधा, एमडीएम अधीक्षक डॉ. विकास राजपुरोहित, उपखण्ड अधिकारी (दक्षिण) पंकज कुमार जैन सहित जेडीए, पीडब्ल्यूडी, आरएसआरडीसी, नगर निगम एवं चिकित्सालय के संबंधित अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़, पिता-पुत्र गिरफ्तार

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा जिले में नशे के सौदागरों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन विषभंजन के तहत बालोतरा पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने भारतमाला एक्सप्रेस-वे के किनारे अवैध रूप से संचालित एक ड्रग्स फैक्ट्री का पर्दाफाश करते हुए भारी मात्रा में नशीले पदार्थ, रसायन और उपकरण बरामद किए हैं। इस मामले में पुलिस ने ड्रग माफिया पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक रमेश ने बताया कि जिले में मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु मुख्यालय के निर्देशानुसार यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरफूलसिंह और वृत्ताधिकारी विकास कुमार के सुपरविजन में थानाधिकारी पचपदरा शिशपालसिंह और नरपतदान निपु के नेतृत्व में दो अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन किया गया था।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि सरहद कुड़ी में आरोपी ओमप्रकाश और सुभाष के घर पर अवैध गतिविधियां चल रही हैं। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने दबिश दी, जहाँ से 4 किलो अवैध डोडा पोस्त बरामद किया गया। आरोपियों से क?ी पूछताछ में उन्होंने घर के पास बने बाडे में अवैध एमडीएमए बनाने की फैक्ट्री का खुलासा किया।

ड्रग्स फैक्ट्री से पुलिस ने भारी मात्रा में रसायन, बडे-बडे ड्रम्स, जरिकेन, टब, जग, ट्रे, छलनी, प्लास्टिक के पाउच और गैस सिलेंडर सहित अन्य उपकरण बरामद किए हैं, जिनका उपयोग नशीले पदार्थ बनाने में किया जा रहा था।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे सुरेश कुमार विश्नोई निवासी कु?ी के लिए अवैध एमडीएमए तैयार करते थे। सुरेश कुमार उन्हें रसायन और सामग्री उपलब्ध कराता था और इसके बदले उन्हें मोटी रकम दी जाती थी। इसके अलावा, आरोपी भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर ट्रक चालकों को भी डोडा पोस्त की सप्लाई करते थे।

ओमप्रकाश (41 वर्ष) पुत्र बलवन्ताराम विश्नोई, निवासी कुड़ी, सुभाष (23 वर्ष)= पुत्र ओमप्रकाश विश्नोई, निवासी कुड़ी।

सांसद से सुंदेलाव तालाब के सौन्दर्यकरण की गुहार लगाई

जालोर, (कासं)। सनातन धर्म सेवा एवं संवर्धन संस्थान जालोर ने मंगलवार को शहर के ऐतिहासिक सुंदेलाव तालाब के संरक्षण और पुनरुद्धार एवं सौन्दर्यकरण को लेकर संस्थान के अध्यक्ष बंशीलाल सोनी के नेतृत्व में जालोर सिरोही सांसद लुम्बाराम चौधरी को ज्ञापन सौपा।

ज्ञापन में बताया कि तालाब की बिगडती स्थिति पर चिंता जताते हुए इसे शहर की आस्था, संस्कृति और जल स्त्रोत के रूप में पुनर्जीवित करने की मांग की है। संस्थान के पदाधिकारियों के अनुसार, यह तालाब प्राचीन समय से धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र रहा है। यहां विभिन्न धार्मिक आयोजन, मेले और पर्व आयोजित होते रहे हैं, जिनमें बडी संख्या में लोग शामिल होते हैं।

पिछले कुछ वर्षो में तालाब में गंदे पानी की आवक, अतिक्रमण और उचित देखरेख के अभाव के कारण इसकी स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। तालाब में शहर के गंदे सीवरेज का पानी जा रहा है। जिसे रोकने के लिए अभी तक कोई ठोस कदम नही उठाने से दिन ब दिन तालाब दुषित होता जा रहा है। ज्ञापन में बताया गया कि तालाब में सीवरेज का गंदा पानी भरने, आसपास अतिक्रमण होने और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों के कारण न केवल जल प्रदूषण बढा है, बल्कि आमजन की आस्था भी प्रभावित हुई है। इसके चलते कई पारंपरिक मेले और धार्मिक आयोजन भी बंद हो गए हैं। संस्थान ने प्रशासन से मांग की है कि तालाब में आने वाले सिवरेज के गंदे पानी को तुरंत रोका जाए, अवैध अतिक्रमण हटाए जाएं और तालाब की नियमित सफाई कराई जाए। साथ ही तालाब के चारों ओर सौंदर्यीकरण, प्रकाश व्यवस्था, बैठने की सुविधा और सुरक्षा के लिए उचित इंतजाम किए जाएं।

इसके अलावा, तालाब को शुद्ध पेयजल स्त्रोत के रूप में विकसित करने, वर्षाजल संचयन की व्यवस्था करने और शहर के जल संकट को दूर करने के लिए दीर्घकालीन योजना बनाने की भी मांग की गई है। संस्थान के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि समय रहते उचित कदम नहीं उठाए गए तो यह ऐतिहासिक धरोहर पूरी तरह नष्ट हो सकती है। उन्होंने प्रशासन से जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए शीघ्र प्रभावी कार्रवाई करने की अपील की है। ज्ञापन में सुन्देलाव तालाब में आ रहे गंदे पानी को रोकना, अतिक्रमण हटाने सहित सौन्दर्यकरण करने की मांग की गई।

ज्ञापन देने संस्थान के अध्यक्ष बंशीलाल सोनी, सचिव शिवलाल सैनी, उपाध्यक्ष दिनेश बारोट, कोषाध्यक्ष सुनील शर्मा, रमेश कुमार, पूर्व पार्षद मदनलाल जैन, रमेश कुमार सहित काफी संख्या में संस्थान के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सब्जी मंडी मंगलसिंह पार्क के पास शिफ्ट

जैसलमेर, (नि.सं.)। शहर के गोपा चौक में सोनार किले की दीवार से सटकर बरसों से संचालित हो रही पुरानी सब्जी मंडी को नगर परिषद ने स्थाई रूप से मंगलसिँह पार्क के समीप नवनिर्मित स्थल पर शिफ्ट कर दिया है। लंबे समय से इस क्षेत्र में अव्यवस्थाओं का आलम था, जिसे देखते हुए प्रशासन ने यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।

प्राप्त जनकारी के अनुसार नगर परिषद आयुक्त लजपाल सिंह सोढा ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि गोपा चौक में मंडी के कारण न केवल गंदगी फैलती थी, बल्कि वहां भारी संख्या में बेसहारा पशुओं का जमावड़ा भी लगा रहता था। इससे स्थानीय निवासियों के साथ-साथ जैसलमेर आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था।

मंडी शिफ्ट होने के बाद अब गोपा चौक क्षेत्र में स्वच्छता सुनिश्चित की जाएगी और सौंदर्याकरण के कार्यों को गति दी जाएगी।

पोकरण-रामदेवरा मार्ग पर दुर्घटना का मॉक ड्रिल

पोकरण, (निसं)। पोकरण -रामदेवरा सडक मार्ग पर गोमट गांव के पास सोमवार शाम को बस और ट्रेलर की भीषण भिडंत व आग लगने की सूचना पर प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आपदा प्रबंधन तैयारियों का सफल परीक्षण किया। यह पूरा घटनाक्रम मॉक ड्रिल (आपदा प्रबंधन अभ्यास) के तहत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य आपात स्थिति में विभिन्न विभागों के समन्वय और प्रतिक्रिया समय को परखना था।

सूचना मिलते ही क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हादसे में लोगों के झुलसने व जनहानि की आशंका की खबर के बीच प्रशासन हरकत में आया। कंट्रोल रूम से सूचना जारी होते ही महज 7 मिनट में प्रशासनिक अमला मौके के लिए रवाना हो गया। मौके पर 708 एम्बुलेंस, पुलिस बल और चिकित्सा टीम पहुंची तथा राहत व बचाव कार्य शुरू किया गया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार, वृताधिकारी भवानी सिंह, तहसीलदार हजारी राम, थाना प्रभारी भारत रावत, रामदेवरा थाना प्रभारी खेताराम गोदारा तथा अधिशाषी अधिकारी झब्बर सिंह सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। घटना की सूचना के साथ ही राजकीय अस्पताल में भी आपात स्थिति को देखते हुए तैयारियां तेज कर दी गईं। घायलों के उपचार के लिए चिकित्सकों की टीम को अलर्ट मोड पर रखा गया। मॉक ड्रिल के दौरान बस में आग लगने की स्थिति को नियंत्रित करने, यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने और घायलों को प्राथमिक उपचार देने की पूरी प्रक्रिया का अभ्यास किया गया। फायर ब्रिगेड टीम ने आग पर काबू पाने का प्रदर्शन किया, वहीं चिकित्सा दल ने घायलों को अस्पताल पहुंचाकर उपचार की व्यवस्था संभाली। सूचना आमजन तक पहुंचते ही कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया और अस्पताल के बाहर भी भीड जमा हो गई। हालांकि बाद में जब लोगों को पता चला कि यह केवल मॉक ड्रिल है, तो सभी ने राहत की सांस ली। प्रशासन के अनुसार, इस तरह के अभ्यास का उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित और समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करना है, ताकि वास्तविक घटनाओं के दौरान जान-माल के नुकसान को न्यूनतम किया जा सके। अधिकारियों ने सफल आयोजन पर संतोष जताते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के अभ्यास जारी रखने की बात कही।

दो रेलकर्मी का सम्मान किया

जोधपुर, (कासं)। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल में उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने हेतु माह का कर्मचारी सम्मान मंगलवार को मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी द्वारा दो रेलकर्मियों को प्रदान किया गया। उन्होंने जनवरी एवं फरवरी 2026 के लिए चयनित कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि जनवरी 2026 के लिए निर्मल सीरवी, वरिष्ठ लिपिक (कार्मिक विभाग), जोधपुर का चयन किया गया है। फरवरी 2026 के लिए माह का कर्मचारी सम्मान लाला राम मीणा, ट्रैक मेंटेनर-, इंजीनियरिंग विभाग (नोखा) को प्रदान किया गया है।

बच्चों को पढ़ाया साइबर अपराध से बचने का पाठ

जालोर, (कासं)। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिले के विभिन्न विद्यालयों में विद्यार्थियों को जागरूक करने को लेकर न्यायिक अधिकारी मंगलवार को स्कूलों में पहुंचे और बच्चों को साइबर दुर्व्यवहार के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

जिले की सभी स्कूलों में बच्चों को विभिन्न अधिकारों की जानकारी देने, सुरक्षा के प्रति जानकारी देने के उद्देश्य से ट्रांसफॉर्मेटिव ट्यूजडे कार्यक्रम शुरू किया गया है। अभियान के तहत मंगलवार को जिले के न्यायाधीशों ने स्कूलों में पहुंचकर क्लिक करने से पहले सोचो, ऑनलाइन सुरक्षित रहो इंटरनेट सब कुछ याद रखता है विषय पर संपूर्ण जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने साइबर दुर्व्यवहार क्या है, फर्जी अकाउंट बनाना और पहचान की नकल करना, क्लास ग्रुप में साइबर बुलिंग, बिना अनुमति के निजी फोटो शेयर करना, अपमानजनक मीम और एडिटेड फोटो सहित साइबर अपराध से होने वाले दुष्पपरिणामों और उनसे बचने के तरीकों के बारे में जानकारी दी। जिला मुख्यालय पर पारिवारिक न्यायालय के न्यायाधीश अमर वर्मा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय शांतिनगर जालोर स्कूल में पहुंचकर विद्यार्थियों को जानकारी दी। इसी प्रकार पोक्सो कोर्ट की न्यायाधीश सीमा जुनेजा राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय प्रताप चौक जालोर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अहसान अहमद राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राजेंद्र नगर जालोर में पहुंचे और विद्यार्थियों को साइबर अपराध से बचने के तरीकों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से किए जाने वाले कार्यों, चलाए जा रहे अभियानों व कार्यक्रमों की जानकारी दी।

जालोर परिषद में नौकरी का फर्जी नियुक्ति पत्र देने के मामले का आरोपी पकड़ा

जालोर, (कासं)। जालोर नगरपरिषद में आरोपी ठग राकेश जीनगर की ओर से परिषद में नौकरी का झांसा देकर लोगो से लाखो रुपये धोखाधडी से हडपने के मामले में आरोपी राकेश को पुलिस ने सोमवार को रिमांड पर लिया था। रिमांड के दौरान राकेश ने नगरपरिषद में फर्जी नियुक्त पत्र जारी करने में अहम भूमिका निभाने वाले कर्मचारी हिरालाल का नाम बताया । जिसके बाद मंगलवार को पुलिस ने इस मामले में परिषद के कर्मचारी हिरालाल को गिरफतार किया गया।

पुलिस के अनुसार आरोपी हिरालाल द्वारा नगर परिषद आयुक्त के फर्जी हस्ताक्षर कर आयुक्त की मोहर लगाकर एलडीसी पद का नियुक्ति पत्र जारी किया था। जिला पुलिस अधीक्षक, जालोर के निर्देशन में पुलिस थाना कोतवाली के प्रकरण फर्जी नियुक्ति मामले में कार्यवाही के तहत एएसपी मोटाराम गोदारा एवं डिप्टी गौतम जैन व थानाधिकारी जालोर के निकटतम सुपरविजन में देवेन्द्र सिंह कच्छावा निरीक्षक पुलिस थानाधिकारी के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा नगर परिषद् में नौकरी का फर्जी नियुक्ति पत्र देने के मामले में नगर परिषद् कर्मचारी हिरालाल पुत्र बाबुलाल हरिजन निवासी हरिजन बस्ती, जालोर को गिरफ्तार किया गया। रितिक मीणा पुत्र करनाराम निवासी भूती, रणछोड कुमार व मुकेश कुमार निवासी हरियाली आहोर द्वारा रिपोर्ट पेश कर मामला दर्ज करवाया कि आरोपी राकेश कुमार पुत्र पुखराज द्वारा रितिक मीणा से 10 लाख, रणछोड कुमार से 3 लाख, मुकेश कुमार से 3 लाख रूपये लेकर शंभूलाल जागरवाल व आयुक्त नगर परिषद जालोर के फर्जी हस्ताक्षर कर नियुक्ति पत्र अधिषाशी अधिकारी, कनिष्ठ सहायक आदि पदो के जारी कर बेरोजगार युवकों को गुमराह कर लाखो रूपये हड़प लिये। वही पीड़ित लालाराम पुत्र देवाराम ने कथन किया व स्वयं के नाम का फर्जी नियुक्ति पत्र आरोपी राकेश कुमार जीनगर द्वारा दिया गया पेश किया। पीड़ित लालाराम से आरोपी राकेश कुमार जीनगर ने 3.50 लाख रूपये लिये थे। फर्जी नियुक्ति पत्र आरोपी राकेश कुमार जीनगर ने नगर परिषद के युडीसी हिरालाल से प्राप्त किये थे। आरोपी हिरालाल स्वयं के पास आयुक्त नगर परिषद की मोहर रखता एवं फर्जी आदेश जारी कर राकेश कुमार जीनगर को देता, राकेश कुमार जीनगर फर्जी नियुक्ति पत्र देकर बेरोजगार युवको से सरकारी नौकरी के नाम पर पैसे लेता था। आरोपी हिरालाल द्वारा 7 से 8 फर्जी नियुक्ति पत्र जारी करना स्वीकार किया जो पीडितों से सम्पर्क कर अनुसंधान जारी है।

आरोपी राकेश कुमार व हिरालाल से अनुसंधान जारी है।

जजों ने साइबर सुरक्षा के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक किया

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के स्कूलों में एक अनोखी पहल के तहत आज जजों ने साइबर सुरक्षा के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक किया।

'ट्रांसफॉर्मेटिव ट्ययूसडे' अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में जजों ने खुद से जुड़े साइबर ठगी के मामलों के अनुभव साझा किए और छात्रों को डिजिटल दुनिया में सतर्क रहने की सीख दी।

दरअसल, राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की अनूठी पहल के तहत मंगलवार से प्रदेशभर के स्कूलों में युवा सशक्तिकरण कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इस अभियान को ट्रांसफॉर्मेटिव ट्ययूसडे नाम दिया गया है। इसके तहत जोधपुर महानगर के 50 न्यायिक अधिकारियों ने विद्यार्थियों को साईबर क्राईम के प्रति जागरूक किया।

इस वृहद कार्यक्रम का लक्ष्य प्रदेश के 1400 विद्यालयों के 4 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं को प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित करना है।

इस कार्यक्रम की पृष्ठभूमि इसी वर्ष फरवरी में जयपुर के राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा सम्मेलन से जुड़ी है। इस सम्मेलन में भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने स्पष्ट किया था कि ''दीर्घकालिक साइबर सुरक्षा के लिए नागरिक शिक्षा सबसे जरूरी है।''

मुख्य न्यायाधीश की इस नसीहत और उनके निर्देशन के बाद राजस्थान के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति संजीव प्रकाश शर्मा ने इसे अप्रूव किया। इसके साथ ही राज्य के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने भी सभी विभागों को स्कूलों-कॉलेजों में साइबर जागरूकता कार्यक्रम चलाने के निर्देश दिए थे।

जोधपुर में इस कार्यक्रम को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला एवं सेशन न्यायाधीश दिनेश त्यागी के निर्देशन में लागू किया गया है। मदेरणा कॉलोनी स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में कार्यक्रम के बाद डीएलएसए सचिव राकेश रामावत ने बताया कि विधिक सेवा का उद्देश्य लोगों को सस्ता, सुलभ न्याय और कानूनी जानकारी देना है। साइबर अपराधों में पिछले सालों की तुलना में भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसी को रोकने के लिए अब हर महीने के पहले और तीसरे मंगलवार को न्यायिक अधिकारी अलग-अलग स्कूलों में जाकर बच्चों को जागरूक करेंगे।

शास्त्री नगर स्थित रा.उ.मा.वि.(विशिष्ठ पूर्व) में एसीजेएम (सीबीआई) अनुभव तिवाड़ी ने इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग की जानकारी दी।

उन्होंने खुद से जुड़ा एक किस्सा साझा करते हुए बताया कि किसी साइबर ठग ने उनकी फोटो का इस्तेमाल कर फेसबुक पर एक फेक अकाउंट बनाया और उनके दोस्तों को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेज दी। सप्ताहभर सामान्य बातचीत के बाद ठग ने फेसबुक पर पोस्ट डाली कि ''मेरा मानसिक संतुलन खराब है, इलाज के लिए पैसे नहीं हैं और पैसों की सख्त आवश्यकता है।'' ठग ने एक बारकोड डालकर तनख्वाह आने पर पैसे लौटाने का झांसा दिया। इस भावनात्मक झांसे में आकर उनके एक पुराने सहपाठी ने 16 हजार 400 रुपए ट्रांसफर भी कर दिए।

एसीजेएम अनुभव तिवाड़ी ने विद्यार्थियों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया का सकारात्मक उपयोग करें और यदि घर में किसी परिजन से इस तरह कोई जानकारी मांगता है, तो उन्हें तुरंत जागरूक कर ऐसा करने से रोकें।साइबर सुरक्षा पर कानूनी अधिकारों की जानकारी दी।

इसी प्रकार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मण्डोर नंबर 1 में राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के आदेशो की पालना में आयोजित प्रत्येक माह के प्रथम व तृतीय मंगलवार को आयोजित इंप्लीमेंटेशन आफ ट्रांसफॉर्मेटिव ट्ययूसडे- लीगल लिटरेसी एंड सेंसटाइजेशंस प्रोठााम इन स्कूल एक्रॉस राजस्थान के तहत स्थानीय विद्यालय में साइबर सेफ्टी अवेयरनेस प्रोटक्शन एंड इंक्लूसिव एक्सेस टू जस्टिस पर विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। जिसमें जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुष्यंत दत्त ने पोक्सो एक्ट के तहत आने वाले अधिकार व साइबर सिक्योरिटी की जानकारी दी साथ ही किसी भी तरह की सोशल मीडिया पर भी पाक्सो से संबंधित कोई भी गतिविधि किस श्रेणी में आती है व उन समस्याओं का समाधान कैसे हो सकता है इसकी जानकारी दी। अगले सत्र में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट महेंद्र शर्मा ने साइबर सिक्योरिटी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की सावधानियां व उनसे संबंधित अधिकारों व कोर्ट वाली दीदी पर विस्तृत जानकारी दी। आगंतुक न्यायिक अधिकारियों का स्वागत व धन्यवाद विद्यालय प्रधानाचार्य डॉ . कंचन चारण ने किया । कार्यक्रम का संचालन शंकर लाल माली ने किया ।

इस अभियान की सबसे अहम और संवेदनशील पहल स्कूलों में कोर्ट वाली दीदी शिकायत पेटियों की स्थापना है। यह पहल खासतौर पर बालिकाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। इन पेटियों में कोई भी छात्रा या छात्र अपनी किसी भी कानूनी समस्या, दुर्व्यवहार या उत्पीड़न की शिकायत को बिना किसी डर के लिखकर डाल सकेंगे। इन शिकायतों को सीधे न्यायिक अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा, जिससे बच्चों को न्यायपालिका तक अपनी बात पहुंचाने का एक सुरक्षित और सीधा मंच मिलेगा।

कांग्रेस की बैठक हुई

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के आहोर के शक्ति सराय में मंगलवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की कैठक आयोजित हुई, जिसमें संगठन बढाओं लोकतंत्र बचाओं को लेकर चर्चा हुई।

बैठक में डॉ सजीव सिंह राजपुरोहित ने कहा कि राजस्थान की पर्ची सरकार बार-बार पंचायत व निकाय चुनाव टालकर जनता को उसके प्रतिनिधित्व से दूर कर रही है, स्थानीय स्वशासन खतरे में हैं, ये लोग जनप्रतिनिधियों की जगह प्रशासक बैठाकर राज करना चाहते हैं।

इसलिए ये वक्त चुप रहने का नहीं, बल्कि संगठन की मजबूती के साथ लोकतंत्र की रक्षा एवं अपने हक और अधिकारों के लिए संगठित होकर आगे बढने का है।

पूर्व जिलाध्यक्ष भंवरलाल मेघवाल ने कहा कि राज्य सरकार के खिलाफ आमजन में आऋक्रोश है और आने वाले पंचायत एवं निकाय चुनावों में होने वाली हार को लेकर पर्ची सरकार चुनाव नहीं करा रही है।